NOTIFICATION PUBLISHED IN COMPLIANCE WITH DIRECTIVES OF THE HON'BLE HIGH COURT, CALCUTTA

In compliance with the orders passed by the Hon'ble High Court, Calcutta, this is to inform all concerned that in celebration of ' ID-UZ-ZOHA' on 10.07.2021, the following provisions are to be followed strictly.

a) No person shall slaughter any animal (animal here means bulls, bullocks, cows, calves, male and female buffalos, buffalo calves and castrated buffalos) unless he has obtained in respect thereof a certificate that the animal is fit for slaughter.

b) The Chairman of a Municipality or the *Sabbapati of a Panchayat Samity* and a Veterinary Surgeon may issue a certificate under their joint signatures regarding fitness of an animal for slaughter, if they are both of the opinion to be recorded in writing that the animal is over 14 (fourteen) years of age and unfit for work or breeding or the animal has become permanently incapacitated from work or breeding due to age, injury, deformity or any incurable disease.

c) In case of refusal to issue such certificate, the aggrieved person may prefer an appeal to the State Government within 15 (fifteen) days of communication of such refusal .

d) An animal, in respect of which such certificate has been issued, shall be slaughtered **only** in a Municipal Slaughter House or any other Slaughter House identified by the local administration.

e) Slaughter of animals, for which a certificate has been issued, shall be strictly prohibited in any open public place.

f) Nobody shall resist inspection of any premises by a person authorized, in writing, by the Chairman of a Municipality or the *Sabbapati of a Panchayat Samity* as the case may be or the Veterinary Surgeon for implementing the provisions of the West Bengal Animal Slaughter Control Act, 1950.

g) Whoever contravenes any of the provisions contained in the West Bengal Animal Slaughter Control Act, 1950, shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to six months or with fine which may extend to Rs. 1,000/- or with both. All offences under the 1950 Act shall be cognizable.

h) Hon'ble Supreme Court of India in the case of Md. Hanif Quareshi and others-Vs-The State of Bihar held that sacrifice of a cow is no part of the festival of Id-Uz-Zoha and is not a religious requirement under Islam.

i) The relevant decisions of the Hon'ble Supreme Court of India and the Calcutta High Court are available in the official website of the Department being http://wbard.gov.in

মহামান্য কলকাতা হাইকোর্টের আদেশানুসারে প্রকাশিত বিজ্ঞপ্তি

২০১৮ সালের ৩২৮ নং রিট পিটিশন ও সেইসঙ্গে ২০১৫ সালের ২৪৩১৫ (ডব্লিউ) নং রিট পিটিশনের মামলায় মহামান্য কলকাতা হাইকোর্টের আদেশানুসারে সংশ্লিষ্ট সকলের অবগতির জন্য জানানো হচ্ছে যে, ১০/০৭/২০২২ তারিখে যে ঈদুজ্জোহা উৎসব অনুষ্ঠিত হবে, সে সম্পর্কে নিম্নোক্ত ব্যবস্থাগুলি কঠোর ভাবে মেনে চলতে হবে।

ক) বলি দেওয়া যেতে পারে এই মর্মে শংসাপত্র নেওয়া হয়নি এমন কোনও পশু কেউ বলি দেবেন না (পশু অর্থে এখানে ষাঁড়, বলদ, গরু, বাছুর, পুং বা স্ত্রী মোষ, মোষের বাচ্চা ও মুষ্ক-ছেদিত মোষ বলা হচ্ছে);

খ) পুরসভার চেয়ারম্যান অথবা পঞ্চায়েত সমিতির সভাপতি এবং একজন পশু চিকিৎসক তাঁদের যৌথ স্বাক্ষরের অধীনে কোনও পশু বলি দেওয়ার যোগ্য কিনা সে ব্যাপারে শংসাপত্র জারি করতে পারেন, যদি তাঁরা উভয়েই এই সম্পর্কে নিশ্চিত হন ও লিখিত ভাবে মত প্রকাশ করেন যে পশুটি ১৪ বছরের বেশি বয়স্ক ও কাজ বা প্রজননের পক্ষে অনুপযুক্ত অথবা পশুটি বয়স, আঘাত, বিকলাঙ্গতা, বা কোনও দুরারোগ্য অসুখের কারণে বরাবরের মতো কাজ বা প্রজননের পক্ষে অক্ষম হয়ে পড়েছে;

গ) কোনও ব্যক্তিকে যদি এই শংসাপত্র দিতে কেউ অস্বীকার করেন তাহলে সেই ক্ষুব্ধ ব্যক্তি উক্ত শংসাপত্র না পাওয়ার ঘটনার ১৫ দিনের মধ্যে রাজ্য সরকারের কাছে আবেদন জানাতে পারবেন;

ঘ) একটি পশু, যেটির সম্বন্ধে এই ধরনের শংসাপত্র দেওয়া হয়েছে, সেটি শুধুমাত্র পুরসভার কোনও কসাইখানায় বা স্থানীয় প্রশাসনের চিহ্নিত অন্য কোনও কসাইখানায় বলি দেওয়া যাবে;

ঙ) যেসব পশুর বলির জন্য শংসাপত্র দেওয়া হয়েছে সেগুলিকে কোনও উন্মুক্ত স্থানে বলি দেওয়া কঠোরভাবে নিষিদ্ধ;

চ) ১৯৫০ সালের পশ্চিমবঙ্গ পশু বলি নিয়ন্ত্রণ আইনের সংস্থানসমূহ রূপায়িত হচ্ছে কিনা তা পরিদর্শনের জন্য পুরসভার চেয়ারম্যান অথবা পঞ্চায়েত সমিতির সভাপতির লিখিত প্রাধিকারপ্রাপ্ত কোনও ব্যক্তিকে কোনও প্রাঙ্গণ পরিদর্শনের ব্যাপারে বাধা দেওয়া যাবে না;

ছ) যে বা যিনিই ১৯৫০ সালের পশ্চিমবঙ্গ পশু বলি নিয়ন্ত্রণ আইনের সংস্থানসমূহ লঙ্ঘন করবেন, তিনি কারাবাস, যার মেয়াদ ছয় মাস পর্যন্ত বর্ধিত হতে পারে বা জরিমানা, যার পরিমাণ ১০০০ টাকা পর্যন্ত হতে পারে, অথবা উভয় দণ্ডেই দণ্ডিত হতে পারেন;

জ) মহামান্য সুপ্রিম কোর্টের রায়ে মহম্মদ হানিফ কুরেশি ও অন্যান্য বনাম বিহার রাজ্যের মামলায় ব্যক্ত করা হয়েছে যে, গরু বলি দেওয়া ঈদুজ্জোহা উৎসবের কোনও অঙ্গ নয় এবং এটি ইসলাম ধর্মের অধীনে পালনীয় কোনও ধর্মীয় প্রয়োজন নয়;

ঝ) মহামান্য কলকাতা হাইকোর্টের ও সুপ্রিমকোর্টের প্রাসঙ্গিক সিদ্ধান্তসমূহ বিভাগীয় সরকারি ওয়েবসাইট http://wbard.gov.in -এ দেখতে পাওয়া যাবে।

माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता के निर्देशों के अनुपालन में अधिसूचना प्रकाशित

माननीय उच्च न्यायालय, कलकत्ता द्वारा पारित आदेशों के अनुपालन में, सभी संबंधितों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 10.07.2022 को 'ईद-उल-जुहा' के उपलक्ष्य में, निम्नलिखित प्रावधानों का कड़ाई से पालन किया जाना है।

क) कोई भी व्यक्ति किसी जानवर का तब तक वध नहीं करेगा (यहां पशु का अर्थ हैं सांड, बैल, गाय, बछड़ा, नर और मादा भैंस, भैंस बछड़ा और बछड़ा भैंस) जब तक कि उसने इस संबंध में एक प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं किया है कि जानवर वध के लिए उपयुक्त है;

ख) नगरपालिका के अध्यक्ष या पंचायत समिति के सभापति और एक पशु चिकित्सा सर्जन पशु वध के फिटनेस के संबंध में अपने संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त एक प्रमाण पत्र जारी कर सकते हैं, यदि दोनों की राय को लिखित रूप में दर्ज किया जाता है कि पशु 14 (चौदह) वर्ष से अधिक उम्र का है और काम या प्रजनन के लिए अयोग्य है या वह जानवर उम्र, चोट, विकृति या किसी लाइलाज बीमारी के कारण काम या प्रजनन से स्थायी रूप से अक्षम हो गया है;

ग) इस तरह के प्रमाण पत्र को जारी करने से इनकार करने के मामले में, पीड़ित व्यक्ति 15 (पंद्रह) दिनों के भीतर राज्य सरकार को अपील कर सकता है;

घ) एक जानवर, जिसके संबंध में ऐसा प्रमाण पत्र जारी किया गया है, का वध केवल नगरपालिका कसाईखाना या स्थानीय प्रशासन द्वारा चिन्हित किसी अन्य कसाईखाने में ही किया जाएगा;

ङ) जानवरों का वध, जिसके लिए प्रमाण पत्र जारी किया गया है, किसी भी खुले सार्वजनिक स्थान पर सख्ती से प्रतिबंधित किया जाएगा;

च) पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 के प्रावधानों का ठीक से पालन हो रहा है या नहीं, इसके निरीक्षण का कोई विरोध नहीं करेगा।नगरपालिका अध्यक्ष या पंचायत समिति के सभापति या पशु चिकित्सा सर्जन द्वारा अधिकृत व्यक्ति ही किसी भी परिसर का निरीक्षण करेगा;

छ) जो कोई भी पश्चिम बंगाल पशु वध नियंत्रण अधिनियम, 1950 में निहित प्रावधानों में से किसी का भी उल्लंघन करता है, उसे एक अवधि के लिए कारावास, जिसे छह महीने तक बढ़ाया जा सकता है या जुर्माना, जो 1000/- रुपये तक या दोनों हो सकता है, दंडनीय होगा।1950 के अधिनियम के तहत सभी अपराध संज्ञेय होंगे;

ज) भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने मोहम्मद हनीफ कुरैशी और अन्य-बनाम- बिहार राज्य के मामले में कहा कि, गाय की बलि ईद-उल-जुहा त्योहार का हिस्सा नहीं है और इस्लाम धर्म के अधीन इसके पालन का कोई धार्मिक प्रयोजन नहीं है;

झ) माननीय सर्वोच्च न्यायालय, भारत और कलकत्ता उच्च न्यायालय के प्रासंगिक निर्णय विभाग की आधिकारिक वेबसाइट http://wbard.gov.in पर उपलब्ध हैं।

معزز ہائی کورٹ، کلکتہ کی ہدایت پر شائع کردہ اعلان کی تکمیل میں

معزز ہائی کورٹ، کلکتہ کے حکم کی تعمیل کے پیش نظر Writ Petition میں 2018 کے نمبر 328 بشمول 2015 کے Writ Petition نمبر (W) 2415، صادر کیا جسمیں تمام متعلقہ ادارہ کو یہ اطلاع دی جاری ہے کہ "عیدالاضحیٰ" کی تقریب بتاریخ 10.07.2022 کو منائی جائے گی" اس کے پیش نظر درج ذیل شرائط کو تاکیداً عمل میں لایا جائے :

(a) کوئی بھی شخص کسی جانور (جانور سے مراد بیلوں، آختہ کی ہوئی بیلیں، گائیں، بچھڑے نر اور مادہ بھینس، بھینس کے بچھڑے اور آختہ کیا ہوا بھینس) کو ذبح نہیں کرے گا۔ بجز اس کے کہ اُس سلسلے میں اس شخص کو جانور کی قابلِ ذبح ہونے کی سند حاصل ہو۔

(b) میونسپلٹی کے چیئرمین یا پنچایت کمیٹی کے سبھاپتی اور مویشیوں کے جراح اپنے باہمی دستخط سے جانوروں کے قابلِ ذبح ہونے کی سند جاری کر سکتے ہیں - اگر ان دونوں کی رائے میں جانور کی عمر 14 (چودہ) سال سے زائد ہے اور وہ کام کرنے یا افزائش نسل کے قابل نہیں ہے یا مستقل طور پر کام کرنے کی قوت ختم ہو چکی ہے یا زائد عمر، زخم، بدنمائی یا دیگر کسی لاعلاج مرض کے پیش نظر افزائش نسل میں ناقابل ہے - انہیں اس بارے میں اپنے نظریات کو تحریری طور پر درج کرنا ہوگا۔

(c) اس قسم کی سند کی نامنظور ہونے پر متاثرہ شخص نامنظوری کی ترسیل کے 15 (پندرہ) دنوں کے اندر ریاستی حکومت کو نامنظوری کے خلاف اپیل دائر کر سکتا ہے۔

(d) کوئی بھی جانور جس کے قابلِ ذبح ہونے کی سند جاری کی گئی ہو اسے صرف میونسپل ذبح خانہ یا مقامی انتظامیہ کے ذریعہ شناخت شدہ دیگر ذبح خانوں میں ہی اسے ذبح کیا جا سکے گا۔

(e) جن جانوروں کے ذبحہ کیلئے سند جاری کئے جائینگے انہیں کھلے عام عوامی جگہوں پر ذبح کرنا سختی سے ممنوع ہوگا -

(f) ویسٹ بنگال انیمل سلاٹر کنٹرول ایکٹ، 1950ء

(West Bengal Animal Slaughter Control Act, 1950)

کے شرائط کی تکمیل کے لئے میونسپل کے چیئرمین یا پنچایت سمیتی کے سبھاپتی کے تحریری طور پر نامزد کیا گیا کوئی شخص یا مویشیوں کا سرجن کسی بھی احاطے کا معائنہ کرنا چاہے تو کوئی شخص اس میں رکاوٹ نہیں ڈال سکتا ہے -

(g) ویسٹ بنگال انیمل سلاٹر کنٹرول ایکٹ، 1950

(West Bengal Animal Slaughter Control Act, 1950)

میں شامل شرائط میں سے کسی ایک بھی شرط کی خلاف ورزی کی صورت میں قید کی صعوبت کا سزاوار ہوگا جس کی معیاد چھ مہینوں تک ہو سکتی ہے یا تاوان ادا کرنا ہوگا جو 1000/- (ایک ہزار) روپئے تک ہو سکتا ہے - یا دونوں کے لئے قابلِ سزاوار ہوگا - 1950ء کے قوانین کے تحت تمام سزائیں قابلِ سماعت عدالت ہوں گی -

(h) معزز عدالتِ عظمیٰ نے محمد حنیف قریشی و دیگر - بمقابلہ - ریاست بہار مقدمہ کے سلسلے میں یہ فیصلہ دیا ہے کہ گائے کی قربانی عید الاضحیٰ کی تقریب کا حصّہ نہیں ہے اور اسلام میں اس کو مذہبی مطالبہ قرار نہیں دیا گیا ہے -

(i) بھارت کے معزز عدالتِ عظمیٰ اور معزز کلکتہ ہائی کورٹ کے متعلقہ فیصلے شعبہ کے سرکاری ویب سائٹ http://wbard.gov.in میں دستیاب ہیں -

MATERIAL FOR TV DISPLAY/SCROLLING

আগামী ১০/০৭/২০২২ তারিখে যে ঈদুজ্জোহা উৎসব অনুষ্ঠিত হবে, সে সম্পর্কে মহামান্য কলকাতা হাইকোর্টের আদেশানুসারে প্রকাশিত বিজ্ঞপ্তি অনুযায়ী ব্যবস্থাগুলি সঠিকভাবে ভাবে মেনে চলতে হবে। বিজ্ঞপ্তি পশ্চিমবঙ্গ সরকারের ওয়েবসাইট www.wb.gov.in – এ দেখা যাবে।